हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, शुक्रवार, 14 फरवरी 2025

10 सूरज स्कूल का जेईई मेंस में बेहतरीन परिणाम

10 सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्त्वपूर्ण

खबर संक्षेप

बार एसोसिएशन प्रधान पद के लिए 4 उम्मीदवार

नारनौल। जिला बार एसोसिएशन के मुख्य चुनाव अधिकारी एडवोकेट करण सिंह भोजावास ने बताया कि चुनाव में नामांकन वापसी के दिन प्रधान पद के लिए तीन उम्मीदवार सुभाष चंद, राजकुमार व नरेंद्र सिंह ने अपने नामांकन पत्र वापस ले लिए। अब 28 फरवरी को होने वाले चुनाव में प्रधान पद के लिए लक्ष्मी नारायण, संतोष सिंह यादव, यशवंत सिंह व अनिल कुमार चुनाव मैदान में है। उपप्रधान के लिए विकास सागवान व प्रज्ञा दो प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। सचिव पद के लिए प्रदीप कुमार, हेमंत कृष्ण भारद्वाज, हरेंद्र लाम्बा व अवधेश कुमार चुनाव मैदान में है।

चोर घर से दो लाख रुपये व आभूषण लेकर हुए फरार

महेंद्रगढ़। गांव पाली में रात्रि के समय एक महिला व उसके साथियों ने एक घर में शरण ली। घर से दो लाख रुपये व सोना चांदी के आभूषण ले गए। पीड़ति को चार-पांच दिन बाद पता चला। इसके बाद उसने सदर थाना पुलिस में शिकायत दी, पुलिस ने मामला दर्ज कर जान शुरू की। गांव पाली निवासी रतिराम ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि दो नवंबर उसके घर पर, पंजाब के जिला मानसा गांव हिरके निवासी बिहरी व उसके साथ तीन-चार अन्य व्यक्ति आए थे। रात को उसके घर पर रुकने के लिए कहा। वह बिहरी को पहले से जानता था। इसलिए उसने बिहरी व उसके साथियों को रात को घर पर रुकने के लिए कहा। जब वह सुबह छः बजे उठा तब उसने देखा कि बिहरी व उसके साथी घर से चले गए।

नावदी में बाबा दाता साहब का मेला आज

मंडी अटेली। गांव नावदी में श्री बाबा दाता साहब महाराज का मेला 14 फरवरी को भरेगा। बाबा के भक्त अशोक पंच ने बताया कि मेले में 51 रुपये से लेकर 51 हजार रुपये की कुश्तियां होंगी। मेले में बाबा का देसी घी का भंडारा भी होगा। कलाकार में अमित चौधरी, ब्रह्मपाल नागर, राजबाला बहादुरगढ़, कोमल चौधरी आदि बाबा की महिमा का गुणगान करेंगे।

बाइक में आग के मामले में आरोपित गिरफ्तार

नारनौल। आपसी रंजिश को लेकर बाइक में आग लगाने व कुएं पर स्टार्टर तथा केबल उखाड़ने अन्य नुकसान पहुंचाने के मामले में अटेली पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान बिजेंद्र वासी सातोर थाना पचेरी जिला झुंझुनूं राजस्थान के रूप में हुई है। आरोपित को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। शिकायतकर्ता हनुमान प्रसाद वासी गांव पृथ्वीपुरा ने थाना अटेली में शिकायत दर्ज कराई थी।

समाधान शिविर में डीसी ने सुनी नागरिकों की शिकायतें

नारनौल। मुख्यमंत्री के निर्देश अनुसार हर रोज सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविरों की कड़ी में वीरवार को उपायुक्त डा. विवेक भारती ने नागरिकों की समस्याएं सुनी। इस मौके पर कुल 11 शिकायतें प्राप्त हुई। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक समस्या को पूरी गंभीरता के साथ सुना जाए। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर में आमजन की जो भी शिकायत आती हैं, उनका मौके पर ही समाधान करें। उन्होंने कहा कि कार्यालय में जो भी आमजन कार्य करवाने के लिए आते हैं, उनका समय अवधि में ही कार्य करें, किसी भी कार्य को लंबित न रहने दें। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार के अलावा अन्य अधिकारी मौजूद थे।

दो गांवों के तीन जोहड़ों में पहुंचाया जाएगा नहरी पानी

- अटल भू जल के तहत महेंद्रगढ़ डिस्टीब्यूटरी से पाइपलाइन के माध्यम से डाला जाएगा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

क्षेत्र लगातार गिरते भू जल स्तर में सुधार लाने के लिए सिचाई एवं जल संसाधन विभाग की ओर से दो गांवों में पाइप लाइन के माध्यम से तीन जोहड़ों को रिचार्ज किया जाएगा। अटल भू योजना के तहत किए जाने वाले इस काम में करीब 631 लाख रुपये की लागत आएंगी। सिंचाई विभाग की ओर से गांव जोनावास व बुडीन के तीन जोहड़ नहरी पानी पहुंचाने की प्रोजेक्ट तैयार किया है। इस प्रोजेक्ट को मुख्यालयकी मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही विभाग की ओर से टेंडर लगाया जाएगा।

महेंद्रगढ़। गांव बुडीन का जोहड़। फोटो : हरिभूमि

उल्लेखनीय है कि अटल भूजल योजना केंद्र सरकार की ओर से संचालित एक महत्वाकांक्षी योजना है। इसका मुख्य उद्देश्य गिरते भूजल की समस्या को दूर कर भू-जल स्तर को बढ़ाना है। इस योजना में जिला महेंद्रगढ़ को भी शामिल किया गया था। जिले के घटते भू-जल स्तर को रोकने के लिए सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग हरियाणा की ओर से ग्राम पंचायतों को जागरूक किया जा रहा है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि योजना के तहत योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा हैं। इसके तहत विभिन्न गांवों के जोहड़ों को नहरों से जोड़ा जा रहा हैं। महेंद्रगढ़ जिले के 186 गांवों में जोहड़ हैं। महेंद्रगढ़ खड़ में 70 जोहड़ है। करीब 75 प्रतिशत गांवों में अटल भू जल योजना के तहत पानी पहुंचाया जा चुका हैं।

इन गांवों के जोहड़ों में डाला जाएगा नहरी पानी

अटल भू जल योजना के तहत दो गांवों के जोहड़ों में पाइप लाइन माध्यम से नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। सिंचाई विभाग की ओर से गांव जोनावास के एमडी-3 से पाइप लाइन के माध्यम से नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। जिसमें करीब 1.31 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। इसके अलावा गांव बुडीन के बाबा बेला वाला व कंकर वाला जोहड़ से एमडी-2 से पाइप लाइन के माध्यम से नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। जिसमें करीब 4.99 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

कई गांवों के जोहड़ों में नहीं पहुंचा नहरी पानी

महेंद्रगढ़ डिवीजन के अंतगर्त 143 जोहड़ आते है। विभाग के कागजों में 120 जोहड़ नहरी पानी से लबालब हो चुके हैं। वहीं 14 जोहड़ में 50 प्रतिशत पानी पहुंचाया जा चुका हैं। केवल नौ जोहड़ में नहरी पानी पहुंचाया जाना हैं, लेकिन हकीकत कई गांव के जोहड़ ऐसे में जिनमें अभी तक नहीं पहुंच पाया है। इसको लेकर कई गांवों के सरपंचों की ओर से लिखित में अधिकारियों को शिकायत भी दी जा चुकी है।

जल्द शुरू होगा काम : जेई यादव

सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के जेई बिरेंद्र यादव ने बताया कि अटल भू जल योजना के तहत गांव बुडीन के दो व जोनावास के एक जोहड़ में नहरी पानी पहुंचाया जाएगा। जिसमें करीब 6.31 करोड़ रुपये की लागत आएंगी। दोनों गांवों के प्रोजेक्ट को मुख्यालय की ओर से मंजूरी मिल चुकी है। जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएंगी। इससे इन गांवों के जलस्तर में काफी सुधार आएगा।

अटेली नपा चुनाव : दूसरे दिन भी नामांकन नहीं आया, आज उम्मीद

नो ड्यूज समेत औपचारिकताएं पूरी करवाने के लिए इच्छुक प्रत्याशियों की भाग-दौड़ जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

भाजपा अटेली व कनीना में बगैर सिंबल नहीं उतारेगी प्रत्याशी

अटेली नगर पालिका के चुनावों के लिए नामांकन के तीसरे दिन भी गुरुवार को कोई फार्म जमा नहीं हुआ। नामांकन के लिए संजीव नागर तहसीलदार अटेली सहायक रिटर्निंग अधिकारी व उनकी टीम सुबह 11 से दोपहर बाद तीन बजे तक आवेदन का इंतजार किया। गुरुवार को एसडीएम रमित कुमार भी रिटर्निंग अधिकारी के रूप में दोपहर तक नपा अटेली कार्यालय में रहे। वैसे पार्षद व चेयरमैन के इच्छुक 54 प्रत्याशियों ने फार्म लिए है, लेकिन जमा अभी तक एक भी नहीं हुआ है। बुधवार 12 फरवरी को संत रविदास की जयंती होने पर सरकार अवकाश होने के कारण नामांकन नहीं जमा हुए। वार्ड पार्षदों व चेयरमैन के प्रत्याशियों को नपा समेत तीन अलग विभागों से नो ड्यूज प्रमाण लेने के लिए नपा में भीड़ लगी हुई है। नपा के हाउस टैक्स, रैंट आदि जमा करवाने के लिए भी लाइन लगी हुई है। सहायक रिटर्निंग अधिकारी व अटेली तहसीलदार संजीव नागर ने बताया कि गुरुवार को दूसरे दिन भी कोई नामांकन जमा नहीं हुआ। फार्म 17 फरवरी तक भरे जाएंगे, इस बीच 16 फरवरी को छुट्टी का होने पर नामांकन दाखिल नहीं होगा। उपायुक्त की ओर से जारी आदेशों के अनुसार एसडीएम नारनौल रमित यादव को अटेली नगर पालिका चुनाव के लिए रिटर्निंग अधिकारी लगाया गया है।

नामांकन के बाद 18 फरवरी को पत्रों की छंटनी करने के बाद 19 फरवरी को तीन बजे तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। इसके बाद इसी दिन चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। इस दौरान चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की सूची भी चस्पा कर दी जाएगी। कस्बे में प्रत्याशियों को मान मनोवल की बैठकों का दौर चला हुआ है। कस्बे में राजनीतिक उफान पर है। दो दिन पर पहले कस्बे के ब्राह्मण मतदाताओं ने बैठक कर एक प्रत्याशी उतारने के विमर्श किया था। वही भारतीय जनता पार्टी ने चेयरमैन व पार्षद संभावित प्रत्याशियों केलिए स्वास्थ्य मंत्री आरती राव के कार्यालय में आवेदन लिए थे, लेकिन दिल्ली हरियाणा भवन में हुई भाजपा की बैठक में कनीना व अटेली में पार्टी सिंबल पर प्रत्याशी नहीं उतारने का निर्णय लिया है। अब कस्बे में भाजपा के कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों में अपने अपने स्तर पर गोठी बैठानी शुरू कर दी है तथा दिन रात बैठकों का दौर चला हुआ है।

मंडी अटेली। नामांकन के लिए इंतजार करते सहायक रिटर्निंग अधिकारी संजीव नागर। फोटो : हरिभूमि

कनीना। कार्यालय में बैठे आरओ डा. जितेंद्र सिंह अहलावत व एआरओ दलबीर सिंह दुग्गल। फोटो : हरिभूमि

नो ड्यूज लेने व आवेदन जांच में जुटे रहे उम्मीदवार

कनीना। आगामी दो मार्च को होने वाले नगर पालिका चुनाव के लिए 11 फरवरी से शुरू हुई नमाकंन प्रक्रिया के तीसरे दिन भी कोई नामांकन पत्र दाखिल नहीं हो सका। एसडीएम कोर्ट कैंपस में आवेदन टीम नामाकंन पत्र लेने के लिए दिनभर इंतजार करती रही। उम्मीदवार नो ड्यूज लेने तथा आवेदन की जांच करवाने में जुटे हुए हैं। नामांकन प्रक्रिया 17 फरवरी तक जारी रहेगी। चुनाव को लेकर इस बार होली के त्योहार पर डबल धमाका होगा। एक तरफ त्योहार की खुशी होगी। वहीं दूसरी ओर चुनाव जीतने की। दो मार्च को मतदान होने के बाद 12 मार्च को मतगणना होगी। इस मौके पर एआरओ दलबीर सिंह दुग्गल, कानूनगो उमेद सिंह जाखड़, चुनावी कानूनगो पूनम सिंह आदि मौजूद थे। नगर पालिका प्रशासक कम आरओ एसडीएम डा. जितेंद्र सिंह अहलावत ने बताया कि वीरवार को नामांकन पत्र दाखिल नहीं हो सका। शांतिपूर्वक चुनाव करवाने के लिए सभी तैयारियां पूरी की जा चुकी है।

नारनौल। शिक्षा अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती।

स्कूलों का औचक निरीक्षण करें शिक्षा अधिकारी : डीसी

नारनौल। उपायुक्त डा. विवेक भारती ने कहा कि समाज निर्माण में शिक्षकों का बहुत बड़ा रोल होता है। ऐसे में सभी शिक्षा अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सरकारी स्कूलों में सभी प्रकार की ढांचागत सुविधा मौजूद हों। इसके लिए सभी शिक्षा अ धि का री लगातार अपने अपने क्षेत्र में निरीक्षण करें। डीसी वीरवार को लघु सचिवालय में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की बैठक में बोल रहे थे। इस अवसर पर उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी सरकारी स्कूलों की चारदीवारी दुरुस्त होनी चाहिए। अगर किसी स्कूल में चारदिवारी बनाने या रिपेयर करने की जरूरत है, तो उसके लिए मुख्यालय को डिमांड भेजें। निजी स्कूलों के संबंध में उन्होंने निर्देश दिए कि स्कूल बसों की चैकिंग के लिए संबंधित एसडीएम के साथ शेड्यूल बनाकर चैकिंग की जाए। आगामी मार्च तक सभी स्कूल बसों की चैकिंग हो जानी चाहिए।

- निपुण योजना से होगा बच्चों का सर्वांगीण विकास

गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक ने बैडमिंटन में पाया गोल्ड मेडल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

बाबा खेतानाथ गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक ने इंटर पॉलिटेक्निक गेम बैडमिंटन में इतिहास रच कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इससे पहले भी टीम ने पिछले साल के आखिर में वॉलीबॉल में गोल्ड मेडल तथा फुटबॉल में कांस्य पदक प्राप्त किया था।

यह पदक आने का सिलसिला अचानक से ही शुरू नहीं हुआ। इसके पीछे संस्थान के प्रधानाचार्य अनिल यादव तथा पूरे स्टाफ की विशेष मेहनत का नतीजा है, संस्थान को लगातार पदक प्राप्त हो रहे हैं। यह प्रतियोगिता हिसार आदमपुर मंडी में आयोजित हुई। जिसमें पूरे हरियाणा की 10 गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक टीमों ने भाग लिया।

नारनौल। पदक विजेता खिलाड़ी। फोटो : हरिभूमि

इस प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक नीलोखेड़ी ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। टीम की तरफ से योगेश, हर्ष, आफताब व यश ने खिलाड़ी के तौर पर प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता में गवर्नमेंट पॉलिटेक्निक की टीम का पहला मैच संघी पॉलिटेक्निक के साथ हुआ। जिसमें नारनौल की टीम ने बाजी मारकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में टीम का सामना घरेलू टीम मंडी आदमपुर के साथ हुआ। नारनौल पॉलिटेक्निक की टीम ने सेमीफाइनल में टीम का सामना मजबूत धागढ़ पॉलिटेक्निक के साथ हुआ। जिसमें नारनौल की टीम ने बाजी मारते हुए धागढ़ पॉलिटेक्निक को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में नारनौल पॉलिटेक्निक की टीम ने कमाल करते हुए मजबूत नीलोखेड़ी की टीम को हराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

बागवानी विभाग की ओर से 15 व 16 को गिगनऊ भिवानी में लगेगा मेला

नारनौल। हरियाणा सरकार बागवानी के प्रति किसानों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। इसी कड़ी में बागवानी विभाग की ओर से 15 व 16 फरवरी को अर्ध शुष्क बागवानी उत्कृष्टता केंद्र गिगनऊ लोहारू (भिवानी) में द्वितीय बागवानी मेला का आयोजन किया जाएगा। इसमें महेंद्रगढ़ जिला के हर खंड से बसें जाएंगी। यह जानकारी देते हुए जिला उद्यान अधिकारी प्रेम कुमार यादव ने बताया कि भ्रमण पर जाने के इच्छुक किसान संबंधित उद्यान विकास अधिकारी से संपर्क करके अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य रूप से बागवानी गतिविधियां, सेमिनार, बागवानी मशीनीकरण, स्टाल व प्रगतिशील किसानों का सम्मान आदि कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को खंड नांगल चौधरी, नारनौल, कनीना व महेंद्रगढ़, सतनाली तथा 16 फरवरी को निजामपुर, सिहमा, कनीना, अटेली व महेंद्रगढ़ खंड से बसें जाएंगी। उन्होंने बताया कि 15 फरवरी को जाने वाली बसों के लिए नांगल चौधरी खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी अनीता के मोबाइल नंबर 8840827582 पर फोन कर जानकारी ले सकते हैं। इसी प्रकार नारनौल खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी सांवरमल चौधरी के मोबाइल नंबर 9579600685, कनीना खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी राहुल के मोबाइल नंबर 9518121395 व महेंद्रगढ़ खंड के लिए उद्यान विकास अधिकारी राधेश्याम के मोबाइल नंबर 9660959092 व खंड सतनाली के लिए ब्लॉक बागवानी सलाहकार हरिकृष्ण भादू के मोबाइल नंबर 9772359721 पर फोन कर बस रूट के संबंध में जानकारी ले सकते हैं।

मदद सड़क हादसे के शिकार को 1.5 लाख तक का मिलेगा कैशलेस इलाज

हिट एंड रन मामले व सड़क हादसे के पीड़ित के लिए सरकार की अनूठी योजना

- डीसी डा. विवेक भारती ने निजी अस्पतालों के प्रबंधकों के साथ की बैठक
- किसी भी परेशानी पर नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के टोल फ्री नंबर 14555 पर करें कॉल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

हिट एंड रन मामले में पीड़ित को मुआवजा तथा सड़क हादसे के शिकार को पैनल के अस्पतालों में 1.5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज को लेकर वीरवार को उपायुक्त डा. विवेक भारती ने सरकारी, गैर सरकारी अस्पतालों के प्रबंधकों व चिकित्सकों के साथ बैठक की। इस अवसर पर प्रोजेक्टर के माध्यम से इस योजना की जानकारी दी गई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ भी मौजूद थी। डीसी ने पैनल के सभी निजी अस्पतालों को स्पष्ट निर्देश दिए कि आयुष्मान भारत योजना के तहत पैनल के अस्पतालों को सड़क हादसे में घायल हुए लोगों को तुरंत प्रभाव से इलाज मुहैया करवाना होगा। अगर कोई भी निजी अस्पताल इस मामले में लापरवाही करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा सकती है। ईलाज में गोल्डन आवर महत्वपूर्ण होता है। डीसी ने बताया कि हरियाणा सरकार इस योजना को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य सड़क दुर्घटनाओं के कारण होने वाली मौतों को रोकना है। इस प्रतिबद्धता को दोहराते हुए सरकार ने मोटर वाहन अधिनियमए 1988 की धारा 162 के तहत मोटर वाहनों के उपयोग से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के पीड़ितों को नकद उपचार प्रदान करने के लिए एक योजना शुरू की है। उपायुक्त ने कहा कि सड़क हादसे में पीड़ित नागरिक आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत आघात और बहु आघात के लिए स्वास्थ्य लाभ पैकेज के अनुसार दुर्घटना की तिथि से अधिकतम सात दिनों की अवधि के लिए प्रत्येक दुर्घटना के लिए प्रति 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस ईलाज का हकदार है। इस बैठक में जेल अधीक्षक संजय बांगड़, डीएसपी सुरेश कुमार, सचिव आरटीए मनोज कुमार, डा. धर्मेंद्र सांगवान व डा. धर्मेश सैनी के अलावा विभिन्न निजी अस्पतालों के प्रबंधक व चिकित्सक भी मौजूद थे।

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डा. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

पैनल में जिले के 38 प्राइवेट अस्पताल

यह योजना किसी भी श्रेणी की सड़क पर मोटर वाहन के उपयोग से होने वाली सभी सड़क दुर्घटनाओं पर लागू है। उन्होंने बताया कि पीड़ित को निकटतम सूचीबद्ध अस्पताल में शीघ्र एडमिट करने के लिए 112 नंबर पर एम्बुलेंस उपलब्ध है। पीड़ित चाहे किसी भी माध्यम से पहुंचा हो, अस्पतालों में तुरंत इलाज देना होगा। इस संबंध में किसी भी प्रकार की परेशानी आए तो नागरिक नेशनल हेल्थ अथारिटी के टोल फ्री नंबर 14555 पर कॉल कर सकते हैं। जिले में 38 प्राइवेट अस्पताल सरकार के पैनल पर हैं। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि हिट एंड रन मामले में पीड़ित को तुरंत अस्पताल में भर्ती करना है। अगर हादसे के जिम्मेदार व्यक्ति का पता नहीं चलता है तो उस सूरत में घायल को 50 हजार व मौत होने पर उसके परिजनों को दो लाख रुपये तक का मुआवजा दिया जाता है।

टेक्नो-नॉलेज / शिखर चंद जैन

हर बच्चे को गेम्स खेलने में मजा आता है। कितना अच्छा हो, अगर स्कूल के क्लासरूम में भी पढ़ाई के बजाय कोई गेम खेलने को कहा जाए और इसी के साथ-साथ खेल में स्टडी-लर्निंग भी हो जाए। सोचकर देखो, कितना मजा आएगा! ऐसा हो सकता है, 'गेमिफिकेशन' के जरिए। जानो, गेमिफिकेशन के बारे में।

गेमिफिकेशन खेल-खेल में स्टडी

बच्चों, कितना मजा आए, अगर तुम्हें क्लास में किताबें खोलकर लेसन पढ़ने या टीचर का लेक्चर सुनने की बजाय पजल सॉल्व करने, कोड, डिकोड करने और गेम खेलकर कोई टारगेट अचीव करने का टास्क दिया जाए। तुम सोच रहे होगे, यह कैसे संभव है, यह तो कोरी कल्पना है। भला स्कूल में गेम कैसे खेल सकते हैं? ऐसा हुआ तो सिलेबस कैसे कंप्लीट होगा? डोंट वरी बच्चों, अब लर्निंग और टीचिंग का नया कॉन्सेप्ट आ चुका है- गेमीफिकेशन। इससे करिकुलम में गेम एलिमेंट डालकर क्लासरूम को इंटरेस्टिंग और एक्साइटिंग बनाया जा रहा है। बच्चों, जानो इस बारे में।

क्या है गेमिफिकेशन

एजुकेशन फील्ड में गेमिफिकेशन एक बहुत बड़ा कदम है। शिक्षाविदों और वैज्ञानिकों ने मिलकर इसके माध्यम से बच्चों में क्रिएटिविटी बूस्ट करने, उन्हें मोटिवेट करने और सीखने के लिए प्रेरित करने वाला काम किया है। बच्चों, गेमिफिकेशन को किसी वीडियो गेम की तरह डिजाइन किया गया है। इसमें तुम बड़े ही मजेदार ढंग से खेल-खेल में नई और ज्ञानवर्धक बातें सीख सकते हो।

कैसे प्रचलन में आया गेमिफिकेशन टर्म

ब्रिटिश कंप्यूटर प्रोग्रामर और आविष्कारक निक पेलिंग ने 2002 में 'गेमिफिकेशन' शब्द गढ़ा था। उस समय वे कमर्शियल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के लिए गेम जैसे इंटरफेस तैयार कर रहे थे। साल 2010 में इस शब्द को व्यापक रूप से अपनाया गया। पेलिंग ने उद्योग, व्यापार और शिक्षा के लिए उपकरण के रूप में इन-गेम मैकेनिक्स की क्षमता और व्यावहारिकता को देखा। जैसे-जैसे 'गेमिफिकेशन' लोकप्रिय होता गया, इसके अनेक उपयोगों को रेखांकित करने वाले आर्टिकल्स पब्लिश होने लगे। इसके बाद इसे अलग-अलग क्षेत्रों में अपनाया जाने लगा।

इंटरेस्टिंग लर्निंग प्रोसेस

गेमिफिकेशन के माध्यम से लर्निंग का प्रोसेस इतना इंटरेस्टिंग होता है कि तुम इसमें पूरी तरह इन्वॉल्व हो जाओगे। हर स्टेप को कंप्लीट करने के बाद जब तुम्हें रिवॉर्ड्स और प्वॉइंट्स मिलेंगे, तो तुममें सीखने का नया जोश आएगा। गेमिफिकेशन के माध्यम से साइंस, मैथ्स जैसे कठिन विषयों को तुम आसानी से समझ सकोगे।

आएगा होमवर्क करने में भी मजा

अकसर बच्चों को होमवर्क करना बोरिंग लगता है। लेकिन गेमिफिकेशन के माध्यम से होमवर्क भी इंटरेस्टिंग लगने लगता है। स्कूल से मिला हुआ टास्क तुम्हारे लिए एडवेंचरस गेम बन जाता है। गेमिफिकेशन के दौरान अगर तुम कोई स्टेज चूक जाते हो या किसी प्रॉब्लम को सॉल्व नहीं कर पाते, तो तुम्हें अपनी गलती के बारे में बताया जाता है। आगे अपना टास्क कंप्लीट करने के लिए गाइड भी किया जाता है। यह कंप्लीट प्रोसेस बहुत ही रोचक और ज्ञानवर्धक होता है।

डेवलप होते हैं ये स्किल्स

गेमिफिकेशन के अंतर्गत क्लासरूम या घर में टास्क या पजल्स सॉल्व करते समय या फिर कोड को डिकोड करते समय तुम्हें दिमाग पर जोर डालना पड़ता है। इससे तुम्हें क्रिटिकल और शार्प थिंकिंग की ट्रेनिंग मिलती है। दोस्तों के साथ गेम खेलते हुए सीखना तुम्हारे मन में कॉम्पिटिशन का भाव जगाता है। इससे तुम्हें जीतने की प्रेरणा मिलती है। गेमिफिकेशन के अंतर्गत कुछ गेम्स, तुम्हें खेलने का तरीका चुनने की आजादी देते हैं। इससे तुम अपने तरीके से गेम खेल सकते हो और सीख सकते हो। गेमिफिकेशन में तुम्हें जीतने के कई प्रयास करने की छूट मिलती है, इसे तुम तब तक खेल सकते हो, जब तक कि जीत न जाओ। इसमें जीतने के बाद तुम्हारा कॉन्फिडेंस बूस्ट होता है। *

गेमिफिकेशन के पांच फायदे

बच्चों, गेमिफिकेशन के मुख्य रूप से पांच फायदे हैं। इनके बारे में भी तुम्हें जानना चाहिए-

सेल्फ असेसमेंट: गेमिफिकेशन के जरिए तुम्हें अपनी प्रोग्रेस पर नजर रखने में मदद मिलती है। किसी कारणवश अगर तुम इसे बीच में डिस्कंटीन्यू भी कर देते हो, तो दोबारा लॉग इन करते ही तुम्हारा टास्क या गेम वहीं से शुरू हो जाता है, जहां तुमने इसे छोड़ा था।

इंटर एक्टिविटी: गेमिफिकेशन के दौरान स्टूडेंट्स आपस में डिस्कसन करते हैं। साथ ही पार्टिसिपेंट्स सिस्टम के साथ भी संवाद कर सकते हैं और दी गई जानकारी का उपयोग टारगेट अचीव करने में कर सकते हैं।

इमर्शन: आजकल 3 डी गेमिंग काफी पॉपुलर है। इस गेम को खेलने वाला कटेंस्टेंट या स्टूडेंट पूरी तरह से गेम में डूब जाता है, और खुद को एक अलग ही दुनिया में पाता है, जहां सिर्फ एंटरटेनमेंट और लर्निंग का ही माहौल होता है।

कॉम्पिटिशन: गेमिफिकेशन से परस्पर कॉम्पिटिशन की भावना जागृत होती है। जब कोई कटेंस्टेंट ज्यादा रिवॉर्ड और बैज हासिल करता है, तो अन्य कंटेस्टेंट्स के मन में भी कड़ी मेहनत करने की इच्छा होती है।

फोकस: गेमिफिकेशन एक इंटरेस्टिंग एक्टिविटी है। इसमें तुम बोर नहीं होते और न ही तुम्हारा ध्यान इधर-उधर भटकता है। इससे तुम्हारा कंसंट्रेशन लेवल बढ़ता है।

इंटरेस्टिंग इंफॉर्मेशन / नयनतारा

बच्चों, एक समय तक समुद्र या नदी की गहराइयों में इंसान का जाना आसान नहीं होता था। लेकिन एक्वालंग के आविष्कार के बाद पानी की गहराई में जाना आसान हो गया। जानो, क्या होता है एक्वालंग? इसका आविष्कार कब, किसने किया और यह कैसे काम करता है?

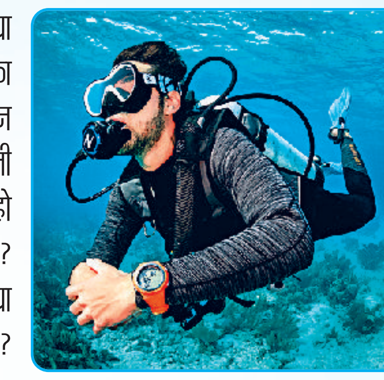

एक्वालंग से आसान हुई अंडर वाटर एक्टिविटी

बच्चों, इंसान हमेशा से ही पानी के भीतर की दुनिया के बारे में जानने को जिज्ञासु रहा है। लेकिन कुछ दशक पहले तक पानी के भीतर जाना आसान नहीं होता था। पानी के भीतर घटता-बढ़ता दबाव एक बड़ी समस्या थी। पानी के अंदर मूवमेंट करना भी बहुत मुश्किल था। इन सबसे भी बड़ी समस्या यह थी कि पानी के अंदर सांस लेने के लिए हवा कैसे मिले? इस समस्या से निपटने के लिए एक्वालंग का आविष्कार किया गया। इस आविष्कार के बाद पानी के भीतर जाना काफी आसान हो गया। एक्वालंग का आविष्कार कैप्टन जैक-य्वेस कौस्तेयू और एमिले गैगनन ने 1943 में किया था। एक्वालंग की वजह से अंडरवाटर वर्ल्ड के सारे रहस्य खुल गए।

पहले ऐसे होती थी अंडर-वाटर एक्टिविटी: बच्चों, एक्वालंग के आविष्कार से पहले भी लोग अंडर वाटर एक्टिविटीज करते थे। लेकिन ऐसा करना बहुत ही मुश्किल होता था। तब एयर सप्लाई के साथ कुछ प्रशिक्षित व्यक्ति ही डाइव करते थे, वह भी जटिल, वजनी डीप-सी सुइट्स और हेल्मेट्स के साथ। इनमें हाई-प्रेशर एयर लाइंस होती थीं, जो सतह से जुड़ी होती थीं। इतने सारे जटिल इक्विपमेंट्स के साथ डाइविंग बहुत मुश्किल होता था।

क्या होता है एक्वालंग: एक्वालंग एक ऐसा इक्विपमेंट है, जो पानी के अंदर की गतिविधियों को आसान बनाने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। यह पहले इस्तेमाल किए जा रहे भारी-भरकम इक्विपमेंट की तुलना में कॉम्पैक्ट और पोर्टेबल होता है। जिससे अंडर वाटर एक्टिविटीज में इसका इस्तेमाल करना काफी आसान है।

कैसे काम करता है एक्वालंग: डाइविंग से पहले, डाइवर्स की कमर पर एक हाई-प्रेशर सिलिंडर स्ट्रैप कर दिया जाता है, जिससे उन्हें नियमित एयर सप्लाई मिलती रहती है। एयर सिलिंडर से डिमांड रेग्युलेटर जुड़ा होता है, जो सांस लेने वाली हवा को उसी प्रेशर का कर देता है, जो आस-पास के पानी का प्रेशर होता है। इसे एडजस्ट करने के लिए वॉल्व नहीं होते हैं। डाइवर को सिर्फ सांस लेनी होती है। गहराई चाहे जितनी हो एक्वालंग से एकदम सही प्रेशर मिलता है। इससे सांस लेना उतना ही ऑटोमेटिक और नेचुरल हो जाता है, जितना कि जमीन पर होता है।

एक्वालंग के आविष्कार के बाद स्कूबा डाइविंग तेजी से पूरी दुनिया में पॉपुलर हो गई और डाइविंग को आसान बनाने के लिए एक्वालंग के अलावा कई अन्य उपकरण भी बनाए जाने लगे। *

तुम्हारे लिए नई किताब

सबक सिखाती ईरानी कहानियां

बच्चों, जैसे तुमको अपने दादा-दादी, नाना-नानी से प्यारी-प्यारी कहानियां सुनना या स्टोरी बुक्स से कहानियां पढ़ना अच्छा लगता है, वैसे ही दुनिया भर के अन्य देशों के बच्चे भी बड़े चाव से कहानियां पढ़ते-सुनते हैं। कुछ समय पहले ही एक नई किताब 'ईरानी बच्चों की कहानियां' छपकर आई है। इसमें तुम ईरान देश में रहने वाले बच्चों के बीच लोकप्रिय चौदह कहानियों का हिंदी अनुवाद पढ़ सकते हो। इन कहानियों में तुमको अपने जैसे नटखट, समझदार बच्चों समेत बकरी, डॉगी, डंकी, हाथी, भेड़िए आदि की कहानियां भी पढ़ने को मिलेंगी। 'बकरी का बच्चा' एक बहादुर लेकिन नासमझ बकरी के बच्चे की कहानी है, जिसे मुसीबत में फंसने पर अपनी गलती का अहसास होता है। 'आजादी' कहानी में गुलाम रहने की तकलीफ और आजादी से अपना जीवन जीने की महत्ता को एक जंगली डॉगी की कहानी के जरिए बताया गया है। इसी तरह 'चोर और संत' कहानी बताती है कि जो लोग सज्जन होते हैं, मुसीबत में उनकी मदद को सभी तैयार रहते हैं। 'किस्सा घड़ी की सुई का', 'हवा और पतंग', 'सींग की तलाश' कहानियां भी तुम्हें अच्छी लगेंगी। इस किताब की सभी कहानियां तुम्हारा मनोरंजन तो करेंगी ही, तुम्हें जरूरी सबक भी सिखाएंगी। इनको पढ़ते हुए तुम्हें लगेगा जैसे तुम अपने देश में प्रचलित 'पंचतंत्र' या 'हितोपदेश' की कहानियां पढ़ रहे हो। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चे किसी भी देश के क्यों न हों, सब एक जैसे ही होते हैं। सब बच्चों को पढ़ाई करना, खेलना, हंसना और कहानियां पढ़ना पसंद होता है। *

-विज्ञान भूषण

किताब: ईरानी बच्चों की कहानियां, **अनुवादक:** राजेश सरकार, **मूल्य:** 250 रुपए, **प्रकाशक:** किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

सबको बांटो प्यार

बच्चों ने वैलेंटाइन-डे के मौके पर जब बाजार में एक अलग ही रौनक का माहौल देखा तो उन्होंने भी तय किया कि वे भी कुछ अलग ढंग से वैलेंटाइन-डे सेलिब्रेट करेंगे। इस मौके पर बच्चों ने जिस तरह, जिन लोगों के बीच जाकर प्यार बांटा, वह सचमुच बहुत अनोखा था।

कहानी

अलका जैन 'आराधना'

इधर कई दिनों से रोहन, सान्वी, आयुष और मिष्टी स्कूल से लौटते समय बाजार में जगह-जगह दुकानों पर दिल के आकार के गुब्बारे और रेड पैक में गिफ्ट आइटम्स सजे देख रहे थे। सान्वी उत्सुकता से बोली, 'हर जगह इस तरह दिल-दिल के आकार में रेड आइटम्स दुकानों में क्यों सजे हैं? क्या कोई फेस्टिवल आने वाला है?'

आयुष हंसते हुए बोला, 'हां, बड़ा फेस्टिवल आ रहा है- वैलेंटाइन-डे।'

रोहन कुछ गंभीर स्वर में बोला, 'फेस्टिवल तो सब अच्छे होते हैं। दिवाली पर दिये जलाते हैं, होली पर रंग खेलते हैं। लेकिन वैलेंटाइन-डे तो बच्चे नहीं मनाते हैं। यह तो बड़े मनाते हैं। हमारा वैलेंटाइन-डे से कोई लेना-देना नहीं है।'

मिष्टी गोल-गोल आंखें घुमाती हुई बोली, 'क्यों नहीं लेना-देना है? हम बच्चे भी अपने ढंग से वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। हमारे आस-पास बहुत से ऐसे लोग हैं, जिनसे हम प्यार पाते हैं या हम उन्हें प्यार देते हैं। हम इनके साथ वैलेंटाइन-डे मना सकते हैं। इन्हें गुलाब का फूल और कोई गिफ्ट दे सकते हैं।' चारों बच्चों ने एक-दूसरे की तरफ देखा और उत्साह से भर उठे। सान्वी खुश होकर बोली, '...तो इस बार हम भी वैलेंटाइन-डे अपने तरीके से मनाएंगे!'

आयुष हां में हां मिलाते हुए बोला, 'हां, हम ऐसे ही एक यादगार वैलेंटाइन-डे मनाएंगे, जो सबको पसंद आए।'

रोहन ने पूछा, 'लेकिन हम करेंगे क्या...'

मिष्टी ने कुछ सोचा और उछल कर बोली, 'सुनो! हम उन लोगों के लिए कुछ करेंगे, जो हर दिन हमारे लिए मेहनत करते हैं, जैसे- दूध और अखबार वाले अंकल, कॉलोनी के गार्ड अंकल और हमारे घर में काम करने वाली मेड।' सान्वी झट से बोली, 'हम अपने दादा-दादी, नाना-नानी को भी इस अवसर पर न भूलें, वे हमें कितना प्यार करते हैं, हमारा ख्याल रखते हैं। इनको भी गुलाब का फूल देकर थैंक्स बोलेंगे। साथ ही हम पास के ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के पास भी जाएंगे, ये लोग हमेशा हमें हंसाते हैं।' आयुष चहक कर बोला, 'तो तय रहा! हम वैलेंटाइन-डे पर इनके पास जाएंगे, इन्हें गुलाब का फूल देंगे, इनके लिए कुछ और भी खास करेंगे।'

अगले दिन चारों अपने-अपने गुल्लक लेकर मिष्टी के घर पहुंचे। सभी बहुत उत्साहित थे। रोहन गुल्लक रखते हुए बोला, 'यह रहा मेरा खजाना। पिछले साल से जमा कर रहा हूं।'

सान्वी बोली, 'मेरा गुल्लक चॉकलेट के पैसों का है।' आयुष ने खिलखिला कर हंसते हुए कहा, '...और ये मेरा आइसक्रीम फंड है।' मिष्टी बोली, '...और मेरी गुल्लक में दिवाली-होली के ईनाम के पैसे हैं। चलो, गिनती शुरू करें।'

सभी ने गुल्लक में जमा किए सिक्के और नोट गिनने शुरू किए। इन्हें गिनने के बाद सब एक साथ बोले, 'अरे वाह...! इतने में तो हम बहुत अच्छे से अपना काम कर सकते हैं। वैसे भी हम यह काम अपने मम्मी-पापा की परमिशन से ही कर रहे हैं। वे भी बहुत खुश हैं, हमारे इस शानदार आइडिया के बारे में जानकर। उन्होंने भी अपनी तरफ से कंट्रीब्यूट करने का वादा किया है।'

अगले दिन सभी बच्चे बाजार गए। बाजार सजावट और रौनक से भरा हुआ था। रोहन एक मग उठाते हुए बोला, 'यह दूध वाले अंकल के लिए। इस पर लिखा है, 'बेस्ट मॉर्निंग फ्रेंड।' आयुष पेन सेट दिखाते हुए बोला, 'अखबार वाले अंकल के लिए।'

सान्वी एक सुंदर स्टोल उठाते हुए बोली, 'यह कामवाली बाई के लिए। वह हमेशा कहती हैं, सादगी में ही खूबसूरती है।'

मिष्टी एक टॉर्च उठाते हुए बोली, 'गार्ड अंकल के लिए... वह रातभर ड्यूटी करते हैं, ताकि हमारे घर सेफ रहें।'

इसके अलावा बच्चों ने ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी के लिए गर्म शॉल खरीदा। सबसे बाद में बच्चों ने ढेर सारे गुलाब के फूल भी खरीदे।

वैलेंटाइन-डे की सुबह बच्चे गिफ्ट और गुलाब के फूल लेकर सबके घर गए। सबने उन्हें धन्यवाद दिया और बहुत खुश हुए, क्योंकि उनके बारे में लोग ज्यादा कुछ सोचते नहीं हैं।

शाम को बच्चे ओल्ड एज होम के दादाजी-दादीजी को गिफ्ट देने पहुंचे। मिष्टी और दूसरे बच्चों ने दादाजी-दादीजी के पांव छूकर कहा, 'दादाजी, दादीजी, यह आपके लिए और साथ में हमारे हाथ से बना यह कार्ड।' बच्चों ने दादाजी-दादीजी के साथ केक काटा और सबने मिलकर खूब मस्ती की।'

घर लौटते हुए चारों बच्चे बहुत खुश थे। उन्होंने सबके साथ प्यार बांटकर वैलेंटाइन-डे जो अनोखे तरीके से मनाया था। *

कविता

फहीम अहमद

डाकिया अंकल

अहा, डाकिया अंकल आए
लेकर चिट्ठी और किताब।।
घर-घर में चिट्ठी पहुंचाना
है अंकल का प्यारा पेशा।
ले आते पापा की खातिर,
जब-तब खुशी भरा संदेशा।
पढ़ते ही पापा का मुखड़ा
लगता जैसे खिला गुलाब।।
कंधे पर लटकाए थैला,
चेहरे पर मुस्कान अनूठी।
सर्दी, गर्मी हो या बारिश
नहीं भूलते अपनी ड्यूटी।
दरवाजे पर दस्तक देकर,
करते राम-राम, आदाब।।
गली, मुहल्ले के हर घर से,
उनकी है पहचान पुरानी।
थैले में भर ले आते हैं,
हर दिन कोई नई कहानी।
खूब दुआएं पाते हैं वे,
जिसका कोई नहीं हिसाब।।

जीके क्विज-141

1. अभी हाल ही में घोषित दिल्ली विधान सभा चुनाव परिणामों में किस राजनीतिक दल को बहुमत प्राप्त हुआ है?
2. किस क्रिकेट खिलाड़ी ने पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 600 विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया?
3. अमेरिका के बाद किस देश ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से अलग होने की घोषणा की है?
4. सौरमंडल का सबसे बड़ा ग्रह कौन-सा है?
5. महावीर स्वामी का मूल नाम क्या था?
6. स्वतंत्र भारत के प्रथम कृषि मंत्री कौन थे?
7. कौन-सा रंग रेनबो के बीच में दिखाई देता है?
8. जीवाणु (बैक्टीरिया) की खोज किसने की थी?
9. कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
10. 'लोकनायक' के नाम से किसे जाना जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-140 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे। तुम अपने जवाब हमें **balbhoomihb@gmail.com** पर मेल कर सकते हो।

जीके क्विज-140 का उत्तर : 1.उत्तर प्रदेश, 2.डिब्रूगढ़, 3.लद्दाख और जम्मू कश्मीर, 4.निर्मला सीतारमण, 5.ऑस्मियम, 6.वुलर झील, 7.किडनी, 8.स्कॉटलैंड, 9.मैलिक एसिड, 10.ग्रीनलैंड

जीके क्विज-140 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, श्वेता-बिलासपुर, रमेश-कोरबा, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, शुभम-बलौदा बाजार, खुशबू-दुर्ग, बी. आकांक्षा-अहमदाबाद, बी. ईशान-अहमदाबाद, काम्या-महासमुंद

अंतर बताओ

बच्चों, यहां एक समान दिखने वाले दो चित्र दिए गए हैं। लेकिन इनमें सात अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये सभी अंतर खोजकर बताने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट सारे अंतर बताओ।

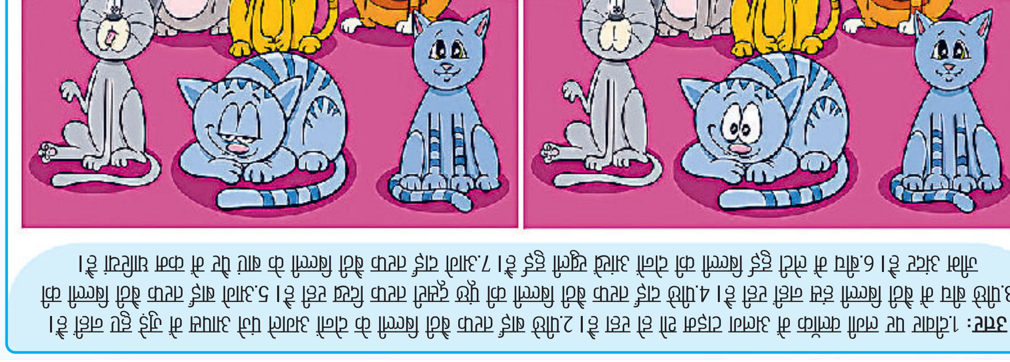

उत्तर: 1.दीवार पर लगी क्लॉक में अलग टाइम शो हो रहा है। 2.पीछे बाईं तरफ बैठी बिल्ली के दोनों अगले पंजे आपस में जुड़े हुए नहीं हैं। 3.पीछे बीच में बैठी बिल्ली हंस नहीं रही है। 4.पीछे दाईं तरफ बैठी बिल्ली की पूंछ दूसरी तरफ दिख रही है। 5.आगे बाईं तरफ बैठी बिल्ली की जीभ अंदर है। 6.बीच में लेटी हुई बिल्ली की दोनों आंखें खुली हुई हैं। 7.आगे दाईं तरफ बैठी बिल्ली के बाएं पैर में कम धारियां हैं।

एक जैसे दो चित्र ढूंढ़ो

बच्चों, यहां कई बच्चों के चित्र दिए गए हैं। इनमें से दो चित्र बिल्कुल एक जैसे हैं। बाकी चित्रों में कोई-न-कोई अंतर जरूर है। तुम एक जैसे दिखने वाले दो चित्रों को पहचान कर, उसको पेंसिल से गोलाकार घेर दो।

खबर संक्षेप

जागरूकता ही एचआईवी संक्रमण से बचाव: डीसी

भिवानी। उपायुक्त महावीर कौशिक की अध्यक्षता में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए हॉल में एचआईवी से बचाव बारे समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि एचआईवी संक्रमण एक गंभीर बीमारी है। ये बीमारी संक्रमण से फैलती है। इसलिए जागरूकता ही एचआईवी संक्रमण से बचाव है।

बीआरसीएम शिक्षण संस्थाओं में महिला दिवस मनाया

भिवानी। बीआरसीएम शिक्षण संस्थान बहल के जीडीसी महाविद्यालय, एवं विधि महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष पर विधि महाविद्यालय के एमके चौधरी सभागृह में महिला प्रकोष्ठ द्वारा विविध विषयों पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके मुख्य अतिथि, बीआरसीएम शिक्षण संस्थान के प्रबंधक महोदय डॉ एस.के. सिन्हा द्वारा किया गया। विधि महाविद्यालय की सहायक प्राध्यापक डॉ. शिम्पी गेरा द्वारा मुख्य अतिथि व वशिष्ठ अतिथियों का स्वागत किया गया। विधि महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार शुक्ला ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय महिला दिवस के बारे में बताते हुए कहा कि जानी -मानी कवियत्री, स्वतंत्रता सेनानी और प्रतिभाशाली राष्ट्रीय नेता सरोजिनी नायडू का महिलाओं के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है।

सीबीएलयू में कार्यशाला का किया गया आयोजन

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के स्वयं यूनिट द्वारा स्वयं मूक जागरूकता एवं कार्यान्वयन पर एक दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो दीप्ति धर्माणी ने ऑनलाइन की। उद्घाटन कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा, के प्रेरणादायक संबोधन से हुआ, जिसमें उन्होंने डिजिटल लर्निंग और स्वयं प्लेटफॉर्म की महत्ता पर प्रकाश डाला। स्वयं और अन्य मूक प्लेटफॉर्म का प्रभावी कार्यान्वयन विश्वविद्यालय प्रणाली में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। नॉर्थ इंडिया जूनियर पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में महाविद्यालय की छात्रा रचना ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। प्रतियोगिता में 300 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया।

100 मीटर दौड़ में स्वीटी रही सबसे आगे

बवानीखेड़ा। राजकीय महिला महाविद्यालय, बवानी खेड़ा में दशम वार्षिक खेल समारोह का आयोजन हुआ। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में बवानी खेड़ा विधायक कपूर वाल्मीकि ने गरिमामयी उपस्थिति प्रदान की। उद्घाटन के अवसर पर क्रीड़ा दलों द्वारा अनुशासनबद्ध सलामी अर्पित की गई, जिसके पश्चात विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। 100 मीटर दौड़ में स्वीटी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

समाधान शिविर में आएं नागरिक:एसडीएम

चरखी दादरी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशों पर जिला में समाधान शिविर का में सफलतापूर्वक आयोजन किया जा रहा है। शिविर के दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं व नागरिकों की समस्याओं का प्राथमिकता के साथ समाधान किया जाता है। वीरवार को एसडीएम आशीष सांगवान और सीटीएम जितेन्द्र ने समाधान शिविर में शिकायतें सुनते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने समाधान प्रकोष्ठ की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य लोगों की शिकायत निवारण प्रक्रिया को व्यवस्थित करना है।

आधा फुट तक बने गड्ढे ,वाहन चालक परेशान

चलने लायक नहीं है भिवानी की सड़कें, हो रहे हैं हादसे

जगह जगह रोड़ियां बिखरने के चलते पैदल चलने वाले लोग भी यहां की बजाए दूसरे रास्तों से गुजर रहे

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। सड़कों पर बने गड्ढों का दृश्य व सड़कों पर बिखरी रोड़ियां। *फोटो: हरिभूमि*

वैसे तो शहर की अधिकांश सड़कें बदहाल है,लेकिन आधा दर्जन इलाकों की सड़कों की हालत बेहद पतली है। इन सड़कों से वाहन चालक तो क्या पैदल लोग भी गुजरने से कतराने लगे है। इन सड़कों में अनेक जगहों पर गड्ढे बने है। कई जगहों पर सड़क पर रोडियां बिखरी हुई है। जिस वजह से वाहन चालक इन सड़कों से गुजरने से कतराने लगे है। जगह जगह रोडियां बिखरने के चलते पैदल चलने वाले लोग भी यहां की बजाए दूसरे रास्तों से गुजर रहे है। क्षेत्र के लोगों का तर्क है कि इस बारे में कई बार शिकायत की गई,लेकिन आज तक उनकी इन समस्याओं का समाधान नहीं हो पाया है। दिनोद गेट इलाके की सड़क की हालत सबसे खस्ता बनी है। इस सड़क में अनेक जगहों पर गड्ढे बने है। कई जगहों पर तो आधा फुट तक गड्ढे बने है। अनेक जगहों पर रोड़ियां बिखरी हुई पड़ी है। जो कि पैदल चलने वाले लोगों के लिए राह में रोड़ा बनी हुई है। इन रोड़ियों से फिसलकर राहगीर गिर कर चौटिल हो रहे है। यही स्थिति वाहन चालकों की बनी है। गहरे गड्ढे होने की वजह से वाहन चालक इस तरह से वाहनों को लाने से कतराने लगे है।

हालात ये बने है कि इन गड्ढों में कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर जख्मी भी हो चुके है। यही स्थित बासिया भवन से सचिवालय की तरफ जाने वाले मार्ग की बनी है। इस सड़क पर अनेक जगहों पर गड्ढे होने से हर वाहन चालक यहां को बजाए दूसरे रास्ते से निकलने की जुगत में है। क्योंकि यहां से गुजरने के दौरान कई वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके है।

यही स्थिति सन सिटी सिनेमा हॉल के आगे से गुजरने वाली सड़क की बनी है। इस सड़क में कई जगहों पर आधा फुट गहरे तथा पांच से छह फुट दूरी तक के गड्ढे बने है। इन गड्ढों में सबसे ज्यादा दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हुए है। इनके अलावा श्री व्हीलर व फोरव्हीलर वाहन भी यहां से नहीं गुजर रहे है। अगर कोई वाहन चालक किसी कारणवश यहां पर अपना श्री या फोरव्हीलर ले भी आए तो उस वाहन को हिचकौले खाना लाजिमी है। कई बार वाहन दुर्घटनाग्रस्त भी हो चुके है।

> **!!**
> *क्षेत्र के लोगों ने बताया कि इस बारे में कई बार जिला प्रशासन को सूचना दी,लेकिन अभी तक इस समस्या का समाधान नहीं हो पाया है। यहां यह बताते चले कि बासिया भवन से लेकर सचिवालय तक के मार्ग से रोजाना रोडवेज व निजी बसें गुजरती है। इनके अलावा जिला प्रशासन का अमला भी इन्हीं मार्गों से गुजरता है। सड़कों की हालत खराब होने से लोग परेशान हो रहे है।*

नवीष नेहरा को मिली छात्रवृत्ति

- आरपीएस महेंद्रगढ़ स्कूल की छात्रवृत्ति परीक्षा में नवीष नेहरा ने पाया 8वां रैंक : डा. फूल सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। छात्रवृत्ति परीक्षा में नवीष नेहरा को आशीर्वाद देते नातिन नाना डा. फूल सिंह धनाना। *फोटो: हरिभूमि*

हाल ही में महेंद्रगढ़ स्थित आरपीएस स्कूल में प्रदेश स्तरीय सुपर-30 छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन करवाया गया था। इस परीक्षा में स्थानीय सेक्टर-13 स्थित नवीष नेहरा 8वां रैंक हासिल किया है। अब नवीष नेहरा महेंद्रगढ़ के आरपीएस स्कूल में कक्षा 11वीं व 12वीं तक छात्रवृत्ति के आधार पर शिक्षा ग्रहण करेगा। बच्चे की उपलब्धि से ना केवल परिजनों, बल्कि सैक्टरवासियों में खुशी का माहौल है। बता कि नवीष के पिता राजेश नेहरा गणित अध्यापक है तथा माता नीतू नेहरा हिंदी अध्यापिका है। इस मौके पर दि भिवानी रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान (आजीवन उपलब्धि पुरस्कार प्राप्त) रामकिशन शर्मा एवं नवीष के नाना डा. फूल सिंह धनाना ने कहा कि नवीष एक होनहार बच्चा है, जिन्होंने हमेशा अपनी मेहनत के दम पर सफलता पाई है।

मामा ने किया प्रेरित

नवीष नेहरा ने बताया कि उन्हे इस उपलब्धि के लिए भाई डा. लक्ष्य नेहरा, दादा मा. मनोहर लाल नेहरा, मामा विकास धनाना ने प्रेरित किया। वही नवीष नेहरा की उपलब्धि पर रामदेव तायल, प्रधान धर्मबीर नेहरा, आईजी राजपाल सिंह, जगबीर डीएसपी बामला, प्रधान विजय पंचगांवा, प्रधान संदीप तंवर, सूर्या एमसी, प्रकाश ठेकेदार, रविंद्र बाबूजी, ठेकेदार सत्यवान, मैनेजर शिवकुमार चांग, राजू पंघाल डीलर, मैनेजर राज सिंह गोलागढ़ सहित अन्य गणमान्य लोगों ने बधाई दी।

भाजपा सरकार बनने के बाद अब दिल्ली में भी विकास कार्य पकड़ेंगे गति: सुरेश

बवानीखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में किए जा रहे अभूतपूर्व विकास कार्यों की बदौलत 27 वर्षों बाद दिल्ली में भारजीय जनता पार्टी की सरकार बनी। दिल्ली में भाजपा सरकार बनने की खुशी में वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश ओड ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से मुलाकात कर उन्हे बधाई दी। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुरेश ओड ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से शिक्षा को लेकर अहम मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय मंत्री से मुलाकात के बाद अपने निवास पर पहुंचने पर सुरेश ओड ने कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकासात्मक सोच पर मोहर लगाने का काम किया है।

हिसार दिल्ली व किसान एक्सप्रेस को भिवानी जंक्शन से चलाया जाए

भिवानी। भिवानी से दिल्ली के बीच चलने वाली 54424 हिसार से नई दिल्ली और 14732 किसान एक्सप्रेस भिवानी की लाइफ लाइन है। भिवानी से दिल्ली सफर करने वाले हजारों की संख्या में डेली पैसेंजर है। डेली पैसेंजर को स्टेशन से वापसी घर तक आने के लिए साइकिल या दुपहिया वाहन का उपयोग करते हैं। पिछले 28 जनवरी 2025 से इन दोनों ट्रेनों को भिवानी जंक्शन की बजाए भिवानी सिटी से चलाई जा रही हैं और इनके समय में भी बहुत बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 54424 हिसार से नई दिल्ली का भिवानी सिटी से चलने का समय सुबह 6:15 बजे चलती है।

एकता पार्क में संयुक्त किसान मोर्चा ने किया महाराजा सुरजमल को नमन

भिवानी। संयुक्त किसान मोर्चा ने भरतपुर महाराजा सुरजमल की कीर्ति नगर स्थित एकता पार्क में 316वीं जयन्ती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान नेता बलबीर सिंह बजाड़ ने की। किसान सभा के जिला उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश व युवा कल्याण संगठन के संरक्षक कमल सिंह प्रधान ने कहा कि भरतपुर रियासत के महाराजा सुरजमल धर्मनिरपेक्ष सोच के राजा थे, उन्होंने अपने राज्य में 36 बिरादरी के हितों के लिए काम किया तथा अनेक राजा महाराजाओं को अपनी रियासत के क्षेत्र में घुसने नहीं दिया, जिनमें मुगल शासक भी शामिल थे। उन्होंने अपनी रियासत की सुरक्षा के लिए अनेक राजाओं के साथ युद्ध किए, लेकिन उन्हें असफलता का मुंह नहीं देखा। महाराजा सूरजमल की वीरता, समझदारी, धैर्य, धर्म निरपेक्ष मूल्यों और जनता को साथ लेकर चलने, सभी का सम्मान करने की विरासत से हमारी युवा पीढ़ी को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

विद्यार्थियों ने किए अनुभव सांझा

- हलवासिया विद्या विहार में मनाया गया संकल्प दिवस

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। कार्यक्रम में सम्मानित करते हुए *फोटो: हरिभूमि*

हलवासिया विद्या विहार में कक्षा बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए संकल्प दिवस का आयोजन किया गया। विद्यालय की परंपरा के अनुसार दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। तत्पश्चात कक्षा ग्यारहवीं के छात्रों द्वारा शानदार नृत्य की प्रस्तुति दी गई।

छात्र हर्षित, चिराग एवं छात्रा नेहा ने अपने विज्ञान, कॉमर्स एवं ह्यूमैनिटीज संकाय के शिक्षकों एवं छात्रों के साथ बिताए गए अमूल्य अनुभवों को सांझा करते हुए विद्यालय प्रशासन एवं अपने अध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्रा रिया सिंह द्वारा मनमोहक कविता के माध्यम से विद्यालय के अनुभवों को सांझा किया गया। कक्षा बारहवीं की छात्राओं द्वारा दीक्षांत समारोह के अवसर पर गाए जाने वाले विद्यालय का गीत ये विदा वेला नहीं संकल्प वेला है की सुमधुर प्रस्तुति दी गई। छात्रा वैशाली, सकीना तथा कन्नू द्वारा गुजराती नृत्य प्रस्तुत किया गया। बारहवीं की छात्राओं द्वारा शानदार पंजाबी समूह नृत्य की प्रस्तुति दी गई। हर्षित, चिराग एवं रिया सिंह द्वारा प्रशासक, प्राचार्य, उप-प्राचार्या, विभाग प्रमुखों तथा शिक्षकों को कार्ड्स, टाइटल्स एवं सम्मान स्वरूप स्मृति चिह्न भेंट कर अपने उद्गार व्यक्त किए गए।

एक-दूसरे की मदद में विश्वास रखती थी स्व. धनकौर देवी : सर्राफ

भिवानी। पूर्व मंत्री एवं विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि स्व. धनकौर देवी एक सहनशील एवं समाजसेवी महिला थी। जो कि हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रहती थी। उन्होंने कहा कि स्व. धनकौर देवी का मानना था कि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए सक्षम व्यक्तियों को हाथ बढ़ाना चाहिए, तभी एक संतुलित समाज की स्थापना की जा सकती है तथा वे अपने इस कथन पर स्वयं भी अमल करती थे तथा जब भी मौका लगता था जरूरतमंद की सेवा व सहयोग के लिए तत्पर रहती थी। विधायक घनश्याम सर्राफ भाजपा नेता सुनील शास्त्री व आचार्य सुरेश शास्त्री की माता धनकौर देवी के निधन पर गांव पाथरवाली स्थित उनके निवास स्थान पर शोक जताने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि धनकौर देवी के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

कुलपति ने विजेताओं को दी बधाई

- कुलपति एवं कुलसचिव ने विजेताओं को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। विजेताओं को सम्मानित करती कुलपति व कुलसचिव। *फोटो: हरिभूमि*

जीवन के इस सफर में जीत-हार लगी रहती है, जीत जहां खुशी देकर जाती है तो हार उसे एक नया सबक सिखाती है, लेकिन व्यक्ति की कभी हार न मानने की आदत ही उसे एक न एक दिन जरूर जीत दिलाती है, ये उदगार चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने प्रकट किए। प्रोफेसर दीप्ति प्रेमनगर स्थित विश्वविद्यालय प्रागण में 8 से 12 फरवरी तक ओम स्ट्रलिंग ग्लोबल युनिवर्सिटी हिसार में चले 38वें उत्तर पश्चिम क्षेत्रिय युवा महोत्सव में भाग लेकर लौटे विजेताओं एवं प्रतिभागियों से मिल रही थी। विवि की कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा व विश्विद्यालय के डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो सुरेश मालिक भी मौजूद रहे। प्रोफेसर धर्माणी ने कहा कि कई बार कुछ लोगों को थोड़े से प्रयास में ही जीत मिल जाती है तो वहीं कुछ लोगों को बहुत कोशिशों के बाद भी हार का सामना करना पड़ता है। व्यक्ति के जीवन में उसे हार मिले या जीत, उसे दोनों ही स्थिति में फायदा होता है। कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा ने कहा कि हार जीत जीवन का एक अभिन्न पहलू है, हमको इनसे हमेशा कुछ न कुछ सीखना चाहिए। युवा कल्याण विभाग की निदेशिका डॉ. सोनल शेखावत ने बताया कि हर बार की तरह विश्वविद्यालय की सांस्कृतिक टीम ने बेजोड़ प्रदर्शन कर एलूकेशन में द्वितीय, स्किट में तीसरा, फोटोग्राफी में तीसरा, लोक नृत्य,नाटक, कोजलाज और रंगोली में चौथा व सोलो वेस्टर्न में पांचवा स्थान प्राप्त किया है।

रेडियो प्रसार का सबसे सशक्त माध्यम: सीजेएम

भिवानी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार तथा प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम पवन कुमार के मार्गदर्शन में पैनल अधिवक्ता अनुराधा खनगवाल ने रेडियो दिवस पर विस्तार से जानकारी दी। प्राधिकरण के सचिव कम सीजेएम पवन कुमार ने बताया कि विश्व रेडियो दिवस हर साल 13 फरवरी को मनाया जाता है, जो रेडियो के महत्त्व को बढ़ावा देने और इसके माध्यम से लोगों के जीवन में संचार के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने का एक अवसर है। इस बार वर्ल्ड रेडियो डे 2025 की थीम-रेडियो और जलवायु परिवर्तन" है। रेडियो न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि यह सूचना के प्रसार का सबसे सशक्त माध्य है।

बोर्ड सचिव के सामने रखा मांगपत्र

- बोर्ड सचिव अजय चोपड़ा से मिला सलाह प्रतिनिधिमंडल

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चौपड़ा को मांगपत्र सौंपते सलाह के सदस्य।

स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा-सलाह का एक प्रतिनिधि मंडल वीरवार को हरियाणा स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव अजय चोपड़ा से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने सचिव के समक्ष शिक्षक वर्ग की शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की कई मांगों को रखा। ज्यादातर मांगों पर बोर्ड सचिव ने अन्य अधिकारियों से मंत्रणा करते हुए पूर्ण करने का आश्वान दिया। इसके अलावा सलाह प्रतिनिधिमंडल की मांग पर जीन्द के उप मंडल जुलाना व मेवात के तावडू में उत्तर पुस्तिका का अंकन केन्द्र बनाने की स्वीकृति प्रदान की। सलाह प्रतिनिधि मंडल की अगुवाई प्रदेशाध्यक्ष अशोक शर्मा व कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष और समरवीर सिंह उप प्रधान ने की। समरवीर सिंह ने बताया कि शिक्षा बोर्ड के सचिव के समक्ष सलाह ने अपना मांग पत्र रखा। मांग पत्र में परीक्षा ड्यूटी व अंकन कार्य का मानदेय बढ़ाने, परीक्षा में नकल रोकने के लिए बोर्ड सचिव के विशेष उडऩदस्ते बनाने सहित सभी मांगो पर सहमति जताई। उन्होंने बताया क प्रतिनिधि मंडल में अनिल सैनी, अजय मालिक, अरूण दांगी, विवेक फौगाट, भूपेन्द्र सिंह मलिक, शिव कुमार गोयल, सुखदेव प्रसाद, डा.जोगेन्द्र सिंह ढुल, रविन्द्र कुमार, जोगेन्द्र सोनी व रमन रोहिल्ला आदि संगठन पदाधिकारी शामिल थे। सलाह द्वारा बोर्ड सचिव को दिया । किसी भी डीडीओ की परीक्षा व मार्किंग में ड्यूटी न लगाई जाएं। मुख्य केंद्र अधीक्षक पद पर केवल स्कूल प्रिंसिपल/मुख्याध्यापक की ही ड्यूटी सुनिश्चित की जाए।

महिलाएं अपनी प्रतिभा के दम पर हर क्षेत्र में कर रही बेहतर प्रदर्शन: सीजेएम

भिवानी। चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय के श्रीनिवास रामानुजन भवन के ऑडिटोरियम में कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी की अध्यक्षता में जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के चेयरमैन व जिला एवं सत्र न्यायाधीश देशराज चालिया के निर्देशानुसार राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया, जिसमें बतौर मुख्यतिथि जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सचिव एवं चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट पवन कुमार ने शिरकत की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. भावना शर्मा की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रोफेसर दीप्ति धर्माणी ने कहा कि महिला अपनी खूबियों को छोड़े बिना अपने अंदर संवेदना, करुणा और मातृत्व का भाव बनाए रखे। उन्होंने कहा कि महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति पूर्णतया सजग रहें और इनका सदुपयोग करें। प्रत्येक सफल महिला के पीछे पुरुष का बड़ा योगदान होता है जो एक पिता, पति एवं भाई के रूप में हो सकता है।

पूर्व राज्यपाल सरोजिनी नायडू को किया याद

बोरी दौड़ प्रतियोगिता में गुंजन व तमन्ना प्रथम

- खेल प्रतियोगिताएं युवतियों व महिलाओं को स्वस्थ जीवन जीने के लिए करती है प्रेरित : पिंकू

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले को सम्मानित करते हुए।

राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जिला के गांव घुसकानी स्थित वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागी विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यअतिथि मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने शिरकत की तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर सामाजिक अध्ययन अध्यापक मुकेश सांगवन पहुंचे। इस दौरान कार्यक्रम की अध्यक्षता गणित अध्यापिका लक्ष्मी देवी ने की तथा मंच का संचालन शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने किया। मुख्याध्यापक कृष्ण कुमार ने कहा कि देश की प्रथम महिला राज्यपाल सरोजिनयी नायडू की जयंती को हर वर्ष 13 फरवरी को राष्ट्रीय महिला दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी कड़ी में वीर शहीद कैप्टन ओपी दलाल राजकीय उच्च विद्यालय घुसकानी में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाया गया।

सपनों को पूरा करने की मिलती है प्रेरणा: शारीरिक शिक्षक विनोद पिंकू ने कहा कि राष्ट्रीय महिला दिवस पर खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन महिलाओं के विकास एवं समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को स्वीकारने का शानदार तरीका है। यह पहल महिलाओं को सशक्त बनाकर, उन्हें आत्मनिर्भर और स्वस्थ जीवन जीने के लिए प्रेरित करती है। खेल प्रतियोगिताएं युवतियों को खेलों में भाग लेने।

बोरा दौड़ में गुजन प्रथम

लड़के व लड़कियों की बोरी दौड़ प्रतियोगिता करवाई गई, जिसमें लड़कियों में कक्षा छठी से गुंजन, खुशी व तनु ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्राप्त किया। कक्षा 7वीं से तमन्ना, अनुष्का व प्रिया ने क्रमश : प्रथम द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल किया। 8वीं कक्षा में कविता, ज्योति, संजना ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान हासिल किया।

खबर संक्षेप

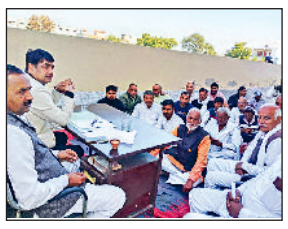

सिलेंडर 500 रुपये में लेने के लिए करवाएं रजिस्ट्रेशन

कनीना। हरियाणा सरकार की ओ से आमजन के लिए जारी की गई जनकल्याणकारी योजनाओं के सही तरीके से क्रियान्वयन को लेकर समय समय पर फीडबैक लिया जा रहा है। वहीं पात्र परिवारों को अत्यधिक लाभ मिले, इसके लिए शिविर लगाकर आमजन को जागरूक भी किया जा रहा है। सरकारी योजनाओं को लेकर विभिन्न विभागों के अधिकारियों की ओर से समय समय पर मॉनिटरिंग भी की जा रही है। इसी कड़ी में वीरवार को खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक ध्यान सिंह व उप निरीक्षक राजेश कुमार ने कनीना में आयोजित बैठक में डिपो धारकों से बीपीएल परिवारों को जानकारी देकर 500 रुपये में घरेलू सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए जल्द से जल्द ऑनलाइन पंजीकरण करवाने को कहा।

गहने लौटाकर पेश की ईमानदारी की मिसाल

सतनाली मंडी। खंड के गांव श्यामपुरा के बिनोद श्यामपरिया ने रिपेरिंग के आई लोहे की अलमारी में रखे सोने चांदी के गहने मालिक को सकुशल लौटाकर ईमानदारी की मिसाल पेश की है। बिनोद श्यामपुरिया ने बताया कि वे लोहे की अलमारी आदि बनाते व रिपेयरिंग करते हैं। उनकी ट्रंक फैक्ट्री में लोहे की अलमारी रिपेयरिंग होने के लिए आई थी। जब अलमारी को खोला तो उसके लॉकर में सोने के गहने रखे थे। उन्होंने अलमारी के मालिक जयपाल के अलावा अनेक गणमान्य लोगों व पुलिस को मौके पर बुलाया। पुलिस की उपस्थित में अलमारी में रखे सोने व चांदी के गहने आदि अन्य सामान को उसके मालिक जसपाल को सौंप दिया।

नीलगायों को मारने की अनुमति देने वाला नियम रद करने की मांग, सीएम को पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

पीपल फॉर अरावली समूह ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक ज्ञापन भेजा है। जिसमें इस साल फरवरी की शुरूआत में हुई कैबिनेट बैठक में अनुमोदित नए हरियाणा वन्यजीव (संरक्षण) नियमों के तहत नर नीलगायों को मारने की अनुमति देने के सरकार के फैसले पर दुख व्यक्त किया। पत्र लिखा है कि इन जानवरों के किसानों के खेतों में घुसने व फसलों को नष्ट करने की समस्या को हल करने के लिए नीलगायों को गोली मारना न तो नैतिक और न ही स्थायी समाधान है। कई ग्रामीण लोग व किसान हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों से हमारे समूह का हिस्सा हैं और पिछले कुछ दिनों में टीम ने जिन अन्य लोगों से परामर्श किया है, उन्होंने इस तथ्य पर प्रकाश डाला है कि नीलगायों से अधिक आवारा मवेशी कृषि फसलों के लिए एक गंभीर खतरा हैं। सरकार से नर नीलगायों को मारने की अनुमति देने वाले नियम को रद्द करने और संरक्षणवादियों, पारिस्थितिकीविदों, सेवानिवृत्त वनवासियों, वन्यजीव विशेषज्ञों, किसान समूहों और अन्य ग्रामीण हितधारकों के साथ परामर्श के बाद राज्य में मानव पशु संघर्ष से निपटने के लिए एक उचित प्रबंधन योजना लागू करने का आग्रह करते हैं। नीलम अहलूवालिया संस्थापक सदस्य पीपल फॉर अरावली ने कहा कि 21 जुलाई 2022 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सार्वजनिक ट्रस्ट सिद्धांत, एहतियाती सिद्धांत, सतत विकास और संवैधानिक दायित्व के तहत एक ट्रस्टी होने के नाते राज्य प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के लिए बाध्य है। सुप्रीम कोर्ट के कई अन्य फैसलों में देश के वनों और वन्यजीवों की सुरक्षा पर जोर दिया गया है। हम नहीं जानते कि राजनीतिक नेता शीर्ष अदालत के आदेशों की अनदेखी कैसे कर सकते हैं। नीलगाय हरियाणा के प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का एक अभिन्न अंग हैं, जो जैव विविधता में योगदान देते हैं और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखते हैं। कानूनी तौर पर उन्हें मारने की इजाजत देना न केवल इस नाजुक पारिस्थितिक संतुलन को बाधित करता है।

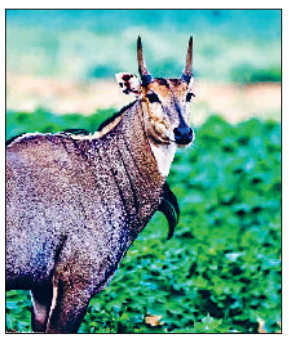

नीलगायों को कर सकते हैं स्थानांतरित

सेवानिवृत्त वन संरक्षक साउथ सर्कल हरियाणा आरपी बलवान ने कहा कि यदि हरियाणा में किसी विशेष क्षेत्र में नीलगायों की अधिक आबादी है, तो इन जानवरों को हरियाणा या राजस्थान के नजदीकी रिजर्व में अन्य समान आवासों में स्थानांतरित किया जा सकता है। जहां नीलगायों की आबादी कम है और पारिस्थितिक संतुलन को बहाल करने के लिए उनके प्राकृतिक शिकारी मौजूद हैं। हरियाणा के गांवों में जहां बणी अभी भी मौजूद हैं, उन्हें कानूनी तौर पर सामुदायिक रिजर्व के रूप में स्वीकृत किया जाना चाहिए और नीलगायों व अन्य वन्यजीवों के लिए आश्रय के रूप में उपयोग किया जाना चाहिए।
रोहतक के वन्यजीव शोधकर्ता राकेश अहलावत ने कहा कि नीलगायों व अन्य जानवरों और आवारा मवेशियों द्वारा फसलों को नुकसान पहुंचाया जाता है, तो किसानों को बीमा योजनाओं के माध्यम से समर्थन दिया जाना चाहिए और फसल के नुकसान के लिए समय पर मुआवजा दिया जाना चाहिए।

राज्य की नैतिक जिम्मेदारी

जिले के किसान अजय यादव ने कहा ने कहा कि टीम ने हरियाणा के विभिन्न जिलों में ग्रामीण हितधारकों से बात की, तो उन्होंने सुझाव दिया कि गांव के कुछ लोगों को गार्ड के रूप में नियुक्त किया जा सकता है। जिन्हें नीलगायों, आवारा मवेशियों और अन्य जानवरों को डराने के लिए तेज आवाज करने वाला गांवों में पारंपरिक रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला गैर बुलेट उपकरण गंधक पोटाश रखना चाहिए। ग्रामीण लोगों को फसलों के रक्षक के रूप में उपयोग करने की इस गतिविधि को रक्षकों को भुगतान की सुविधा के लिए मनरेगा के तहत लाया जा सकता है। तन्नुजा चौहान सदस्य पीपल फॉर अरावली व पीपुल फॉर अरावली के युवा अधिवक्ता विश्वास तंवर ने कहा कि प्रदेश की समृद्ध वन्यजीव विरासत की रक्षा करना राज्य की नैतिक जिम्मेदारी है। भारतीय संविधान के आर्टिकल 48। के अनुसार राज्य को पर्यावरण की रक्षा व सुधार करना चाहिए।

राहगीरों व महिलाओं को उठानी पड़ रही परेशानी

स्वच्छता अभियान के बाद भी अटेली के पुराने अड्डे पर नहीं बना शौचालय

- कस्बे के बाजार का केंद्र है पुराना बस अड्डा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

प्रदेश भर में स्वच्छता अभियान को बढ़ावा देने के लिए घरों, कस्बों, गांवों व सार्वजनिक स्थानों पर शौचालय बनाने पर सरकार प्रोत्साहन राशि प्रदान करती है, लेकिन अटेली कस्बे के पुराने अड्डे पर किसी प्रकार का शौचालय नहीं होने के कारण राहगीरों व आसपास के दुकानदारों को शौच आदि के लिए काफी परेशानी उठानी पड़ती है। सबसे ज्यादा परेशानी तो महिलाओं व लड़कियों को उठानी पड़ती है। अटेली नगर पालिका ने जनवरी माह में पुराने अड्डे पर शौचालय बनाने का अपनी तरफ से सूचना जारी की थी, लेकिन योजना खटाई में पड़ गई।कस्बे के लोगों की लंबे समय से मांग व जरूरत है, लेकिन नगर पालिका अटेली गंभीर नहीं है। भाजपा नीति केंद्र सरकार ने दो अक्टूबर 2014 से स्वच्छ भारत अभियान की शुरूआत की थी। इसके बाद भी अभियान जारी है। इसके तहत अटेली कस्बे में मोबाइल टायलेट भी खरीदे गए थे, लेकिन वो कुछ दिन बाद ही कंडम हो गए। भारत स्वच्छता अभियान के 10 साल बीत गए है। अटेली कस्बे में पुराने बस स्टैंड के समीप शौचालय की खास आवश्यकता है, लेकिन जरूरत के बात भी यहां शौचालय आदि नहीं बना है। इस कारण महिलाओं को शौच आदि के काफी परेशानी उठानी पड़ती है। अटेली कस्बे का पुराना अड्डा मुख्य बाजार का सेंटर है। अटेली कस्बा उप तहसील, ब्लॉक, कॉलेज, आईटीआई, थाना, सीडीपीओ कार्यालय समेत अनेक बड़े बाजार है, लेकिन पुराने अड्डे पर शौचालय नहीं होने से दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

क्या कहते हैं लोग

महेंद्र राता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता महेंद्र सिंह राता ने बताया कि अटेली के पुराने बस स्टैंड पर एक सार्वजनिक शौचालय की जरूरत है। लोगों को मजबूरीवश खुले में जूस की दुकान के साथ पावर हाउस की तरफ शौच करना पड़ता है। शौच के लिए महिलाओं को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। अगर प्रशासन पुराने अड्डे पर एक शौचालय बना दें तो इससे गंदगी दूर होने के साथ कस्बे में आने वाले लोगों व दुकानदारों को भी काफी राहत मिलेगी। पुराने अड्डे पर काफी संख्या में सवारियां बसें पकड़ती है। इसलिए लोगों का जमावड़ा रहता है।

छात्राओं को होती है परेशानी

महेंद्र गुप्ता खेड़ी।

महेंद्र गुप्ता खेड़ी ने बताया कि पुराने स्टैंड पर शौचालय नहीं होने के चलते विशेषकर महाविद्यालय में जाने वाली छात्राओं को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा राहगीरों को खुलने में शौच करना पड़ रहा है। हर रोज यहां खुले में शौच करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है। इससे गंदगी फैल रही है। खुले में शौच की मजबूरी महिलाओं के लिए बेहद शर्मनाक व असुरक्षित स्थिति पैदा कर रही है।

खुले में जाना पड़ता है शौच

संदीप जांगिड़

अटेली के वार्ड नंबर दो से युवा संदीप जांगिड़ ने बताया कि सरकार ने 10 साल से स्वच्छता अभियान चलाया हुआ है, लेकिन अटेली नपा के कर्मियों की ढिलाई से यह काम अटका हुआ है। अगर यहां शौचालय बनता है तो लोगों को राहत मिलेगी तथा स्वच्छता को बढ़ावा भी मिलेगा। शौचालय के अभाव में लोगों को खुले में शौच करना पड़ता है।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हिंदी कविता प्रतियोगिता में प्रतिभा का प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में बालवर्ग कक्षा तीसरी के विद्यार्थियों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों की सहभागिता सराहनीय रही। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी कविता एवं साहित्य के प्रति रूचि वर्धन करना है। विद्यार्थियों ने अपनी काव्य-शैली में कविता-गान किया। प्रतियोगिता में अवनी ने प्रथम अयान ने द्वितीय व यश ने तृतीय स्थान हासिल कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि कविता का संबंध गान से है जो सभी नकारात्मक विचारों को हटाकर विद्यार्थियों की एकाग्र शक्ति को बढ़ाने का भी कार्य करता है। कविता भावनाओं को संप्रेषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने कहा कि हिंदी हमारे स्वाभिमान की भाषा है, जिसमें रचित रचनाएं हमें एकता के सूत्र में पिरोती हैं। विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं के साथ-साथ प्रतियोगिताओं में भी भाग लेना चाहिए जिससे मानसिक, तार्किक एवं बौद्धिक शक्ति का विकास हो सके। इस अवसर पर कर्णसिंह यादव, संगीता यादव, विजय सिंह यादव, आदि मौजूद रहे।

आरआरसीएम स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने जेईई मेंस में किया क्वालीफाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कनीना

आरआरसीएम स्कूल के छात्रों ने एक बार फिर सफलता का परचम लहराया है। जेईई मेंस के परिणाम घोषित होने के बाद स्कूल के 22 विद्यार्थियों ने क्वालीफाई कर शानदार उपलब्धि हासिल की है। जिनमें हीना पुत्री नरेश 96.75 प्रतिशत, नेहा पुत्री राजेंद्र 95.43, पारुल पुत्री विजय सिंह 94, तुषार पुत्र दिनेश 90, विवेक पुत्र अजीत सिंह 89, रचना पुत्री नवीन 88, अंकिता पुत्री सतबीर 85, जाहनवी पुत्री छोटेलाल 82, हार्दिक पुत्र रणधीर 81, शिवम पुत्र टिंकू 69, कीर्ति पुत्री संजय के साथ अपनी सफलता का परचम लहराया। प्राचार्य ने बताया कि छात्रों की इस उपलब्धि के पीछे उनके कठिन परिश्रम, शिक्षकों के मार्गदर्शन और स्कूल द्वारा दिए गए उच्च स्तरीय शैक्षणिक माहौल का बड़ा योगदान है। सफल छात्रों में कई ऐसे नाम शामिल हैं, जिन्होंने अत्यधिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन किया और अपने सपनों की ओर एक कदम ओर बढ़ाया। चेयरमैन राव रोशनलाल ने कहा कि विद्यार्थियों ने एक बार फिर साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। विद्यार्थियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षक और माता-पिता को दिया। छात्रों का कहना है कि स्कूल में मिले उचित मार्गदर्शन और लगातार अभ्यास ने हमारी तैयारी को मजबूत किया । यह सफलता स्कूल के उन प्रयासों को भी दर्शाती है, जो विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और उन्हें राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए तैयार करने में सहायक हैं। स्कूल प्रशासन ने यह भी आश्वासन दिया कि वे भविष्य में भी छात्रों को सर्वोत्तम शिक्षा व संसाधन प्रदान करते रहेंगे।

कनीना। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

महेंद्रगढ़। सफल विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : : हरिभूमि

मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परिणाम में परचम लहराया

महेंद्रगढ़। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से जेईई मेंस परीक्षा सत्र प्रथम का आयोजन करवाया गया था। इस परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने उच्च स्कोर हासिल किया। विशाल पुत्र मुकेश कुमार ने 96.25 परसेंटाइल, योगिता पुत्री अनिल कुमार ने 95.60 परसेंटाइल तथा तन्वी पुत्री सुधीर कुमार ने 73.16 ने परसेंटाइल हासिल की। मॉडर्न स्कूल के तीन विद्यार्थियों ने जेईई मेंस परीक्षा में उच्च स्कोर हासिल करने पर विद्यालय में खुशी का माहौल छा गया। जेईई मेंस परीक्षा में उच्च स्कोर प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को संस्था निर्देशक राजकुमार यादव, हवासिंह यादव, प्रबंधन समिति के सदस्य मनोज कुमार, नवीन कुमार, संस्था प्राचार्य अनिल कुमार, वरिष्ठ अध्यापक राकेश कुमार, रामसिंह, वरिष्ठ अध्यापिका शकुंत शहरावत, रिंकू यादव, मंजू व समस्त स्टाफ सदस्यों ने विशेष पुरस्कार से पुरस्कृत किया। संस्था के निदेशक राजकुमार यादव ने बताया कि विद्यालय से हर बार जेईई मेंस, जेईई एडवांस, नीट, एनडीए, सैनिक स्कूल, नवोदय स्कूल आदि की प्रतियोगी परीक्षाओं में विद्यार्थी उच्च स्कोर प्राप्त करके नामी संस्थानों में दाखिले प्राप्त करते हैं।

सूरज स्कूल का जेईई मेंस में बेहतरीन रहा परिणाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की ओर से घोषित जेईई मेन्स की परीक्षा में सूरज स्कूल के विद्यार्थियों का परिणाम बेहतरीन रहा। स्कूल निदेशक संदीप प्रसाद ने बताया कि इस परीक्षा परिणाम में सर्वाधिक इरफान ने 99.6, मानविक कुमार गुप्ता ने 99.55 व अतुल ने 99.4 परसेंटाइल अंक हासिल कर विद्यालय में क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में लक्की सिंह ने 99.09, आदित्य कुमार ने 98.99, तेजल ने 98.96, अविरल कुमार ने 98.9, निखिल शर्मा ने 98.73, निष्ठा ने 98.34, अक्षय शर्मा ने 98.33, खुशाग्र जैन ने 98.2, सोनाक्षी ने 98.2, मनीष कुमार सैनी ने 98.11, सोनम ने 97.56, अभिषेक ने 97.46, शिवांगी ने 97.33, तरूण कुमार ने 97.04, अंकुर ने 96.98, आयुषी तिवारी ने 96.97, प्रिंस शर्मा ने 96.5, गगनदीप ने 96.38, इशिका शर्मा ने 95.97, देव कुमार ने 95.41, शिव ने 95.39, गौरव जंघू ने 95.31, रुन्झन ने 95.24, अभिनव आर्य ने 95.01, खुशी ने 94.80, नंदिनी ने 94.28, शिनू राठी ने 94.02, छवि ने 93.4, आशीष पांडे ने 92.98 सहित अन्य बहुत से प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने श्रेष्ठतम परसेंटाइल अंक हासिल कर विद्यालय एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया किया। सूरज स्कूल के होनहार विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा हासिल करके देश को विज्ञान व प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अपना अभूतपूर्व योगदान देकर देश को उन्नति एवं विकास के पथ पर अग्रसर करेंगें। निदेशक संदीप प्रसाद ने इस ऐतिहासिक सफलता प्राप्त करने पर सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एल्बेंडाजोल की गोलियों का वितरण

महेंद्रगढ़। राजकीय महाविद्यालय में महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ तथा यूथ रेडक्रॉस के संयुक्त तत्वावधान में विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण से मुक्त करना व उनके समग्र स्वास्थ्य में सुधार करना था। इसी उद्देश्य के तहत महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों को एल्बेंडाजोल की गोलियां वितरित की गई। महाविद्यालय प्राचार्य प्रोफेसर विजय यादव ने विद्यार्थियों को कृमि संक्रमण के दुष्प्रभावों और इससे बचाव के उपायों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कृमि संक्रमण से बच्चों और युवाओं के शारीरिक एवं मानसिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, जिसे नियमित रूप से दवा सेवन कर रोका जा सकता है। महिला अध्ययन एवं विकास प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. पविता यादव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता और पोषण का विशेष ध्यान रखकर कृमि संक्रमण को रोका जा सकता है।

कार्यक्रम हकेवि में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ

नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान

सतत विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका महत्वपूर्ण : प्रो. राजीव आहूजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के भौतिकी व खगोल भौतिकी विभाग की ओर से एडवांसमेंट्स इन मेटिरियल साइंस फोर सस्टेनेबल डेवलपमेंट (एआईएमएस) 2025 विषय पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का गुरुवार को शुभारंभ हो गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) रोपड़ के निदेशक प्रो. राजीव आहूजा मुख्यातिथि तथा एनआईटी हमीरपुर के प्रो. रवि कुमार और दिल्ली विश्वविद्यालय की प्रो. अमिता चंद्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता हकेवि के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने की। आयोजन में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से संबद्ध 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी के विकास में मेटेरियल साइंस की भूमिका पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में सुपरकंडक्टिव मेटेरियल की बिजली संचरण, मैगलेव ट्रेंस और ऊर्जा भंडारण के लिए उपयोग करने की संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने भारत के नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के अंतर्गत हाइड्रोजन वैली प्लेटफॉर्म और गति शक्ति भारत कार्यक्रम पर भी विस्तार से प्रकाश डाला और बताया कि किस तरह से इसके माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा और सतत विकास की दिशा में भारत अग्रसर है। हकेवि कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी पर हर्ष व्यक्त करते हुए अंतर्विषयक अनुसंधान और अंतर राष्ट्रीय सहयोग के महत्त्व पर जोर दिया। कुलपति ने युवा शोधकतार्ओं से मेटेरियल साइंस में नवीन अनुसंधान और नवाचारों में सक्रिय रूप से योगदान देने का आह्वान किया। आयोजन में विशिष्ट अतिथि प्रो. रवि कुमार ने पी-टाइप ट्रांसपेरेंट कंडक्टिंग और मेग्नेटिक ऑक्साइड मेटेरियल पर चर्चा की, जो ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रॉनिक तथा चुंबकीय उपकरणों में उपयोगी हो सकते हैं। इसी क्रम में प्रो. अमिता चंद्रा ने ऊर्जा उपकरणों के लिए पी-टाइप पॉलिमर इलेक्ट्रोलाइट्स पर अपने अनुसंधान को प्रतिभागियों के समक्ष प्रस्तुत किया। सम्मेलन की संयोजक और भौतिकी एवं खगोल भौतिकी विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. सुनीता श्रीवास्तव ने वैज्ञानिक सहयोग को बढ़ावा देने में आयोजन की भूमिका पर जोर दिया। आयोजन के सह-संयोजक और हकेवि के कुलसचिव प्रो. सुनील कुमार ने आयोजन समिति के प्रयासों की सराहना की और विश्वविद्यालय की सतत विकास लक्ष्यों से जुड़े अनुसंधान को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दोहराया। उद्घाटन सत्र के पश्चात दूसरे सत्र में एमआईटी, पोलैंड की डॉ. मार्टा एमडी, सीएसआईआर-एनपीएल, दिल्ली के डॉ. गोविंद गुप्ता, यूजीसी-डीएई सीएसआर, इंदौर के दिनेश कुमार शुक्ला, हकेवि के डॉ. अमित ने तकनीकी व्याख्यान दिए।

महेंद्रगढ़। मुख्यातिथि प्रो. राजीव आहूजा को स्मृति चिह्न भेंट करते कुलपति।

देवयानी स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा शानदार

महेंद्रगढ़। देवयानी इंटरनेशनल स्कूल बेवल का जेईई मेंस का रिजल्ट शानदार रहा। एनटीए की ओर से घोषित परीक्षा परिणाम में तनीष यादव ने 97.5 परसेंटाइल, अंजली राजपूत ने 95, प्रियंका यादव ने 93, मुस्कान चौधरी ने 92.38, विनीत यादव ने 92, ईशा चौधरी ने 91 परसेंटाइल के साथ बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्राचार्य बलवान सिंह ने बताया कि परीक्षा में बैठने वाले 10 विद्यार्थियों में अधिकांश ने 90 परसेंटाइल से ऊपर अंक लेकर आई आईटी एडवांस के लिए जगह बनाई। बच्चों ने यह उपलब्धियां सीबीएसई एग्जाम के साथ कक्षा कक्ष में रेगुलर पढ़ाई करते हुए की। सीनियर विंग हेड मनीष कुमार ने बताया कि बच्चों ने शुरू से ही इंटीग्रेट कोर्स के माध्यम से कंपटीशन की तैयारी करवाई जाती है, चेयरमैन सुनील कुमार ने बताया कि बच्चों की इस सफलता के पीछे माता-पिता, अध्यापक और बच्चों के निरंतर परिश्रम का योगदान है।

शादी के कार्ड बांटने जा रहा पिता घायल

नारनौल। स्कूल बस ड्राइवर ने कार को टक्कर मार दी। इस हादसे में कार सवार जयपुर का व्यक्ति घायल हो गया। व्यक्ति अपने बेटे की शादी के कार्ड बांटने जा रहा था। घायल को इलाज के लिए नांगल चौधरी के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां गंभीर चोटों के चलते उसको रेफर कर दिया गया। नांगल चौधरी थाना पुलिस को दी शिकायत में राधा विहार कॉलोनी सिरसी रोड जयपुर निवासी गुलाबचंद शर्मा ने बताया कि वह मूल रूप से राजस्थान के बहरोड़ का रहने वाला है।

सूचना

कार्यालय सब रजिस्ट्रार कनीना जिला महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) संशोधित सूचना-

इस सार्वजनिक सूचना द्वारा आम जनता व सभी सम्बन्धित लोगों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 18 दिसम्बर 2024 हरिभूमि, जगतक्रान्ती, दिनांक 20 दिसम्बर 2024 अमर उजाला अखबार में प्रकाशीत श्रीमति सावित्री देवी पत्नी बलबीर सिंह वासी ककराला जिला महेन्द्रगढ़ हरियाणा द्वारा वसीयतनामा पंजीकरण बारे समाचार पत्र में प्रकाशित किया गया था। जिसमें उपरोक्त श्रीमति सावित्री देवी पत्नी बलबीर सिंह की मृत्यु तिथि कार्यालय में लिपिकीय गलती के कारण गलत प्रदर्शीत हो गई थी। जबकि श्रीमति सावित्री देवी पत्नी बलबीर सिंह का देहान्त दिनांक 3.11.2024 को हुआ है। तथा वसीयतनामा दिनांक 11.03.2024 को लिखा गया है। दुरूस्त करते हुए मत्यु तिथि 11.03.2024 कि जगह दिनांक 03.11.2024 पढा जावे।

हस्ता/-सब रजिस्ट्रार,
कनीना